यज़ीद बिन असवद ने नबी - सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम - के संग सुबह (फज्र) की नमाज़ पढ़ी, फिर लोग शीघ्रता से आगे बढ़े तथा आप के हाथ को पकड़ कर अपने मुख पर फेरने लगे, वह कहते हैं ◌ः मैंने भी आप के हाथ को पकड़ कर अपने मुख पर फेरा, तो मैंने आप के हाथ को बर्फ से ठंडा तथा मुश्क से अधिक सुगंधित पाया।

यज़ीद बिन असवद - रज़ियल्लाहु अन्हु - से वर्णित है कि उन्होंने नबी - सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम - के संग सुबह (फज्र) की नमाज़ पढ़ी, फिर लोग शीघ्रता से आगे बढ़े तथा आप के हाथ को पकड़ कर अपने मुख पर फेरने लगे, वह कहते हैं ◌ः मैंने भी आप के हाथ को पकड़ कर अपने मुख पर फेरा, तो मैंने आप के हाथ को बर्फ से अधिक ठंडा तथा मुश्क से अधिक सुगंधित पाया।

[सहीह] [इसे अहमद ने रिवायत किया है।]

http://www.sunnah.global/hadeeth/hi/show/10960